बाल-दिवस

हमारे देश में बाल-दिवस प्रतिवर्ष मनाया जाता है | इस दिन सारे देश में बच्चों के कल्याण के संबंध में योजनाएं बनाई जाती हैं | उनके विकास के लिए विभिन्न उपायों की घोषणा की जाती है | बालकों के लिए पूरे देश में तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं |

हमारे देश में बाल-दिवस प्रतिवर्ष १४ नवम्बर के दिन मनाया जाता है | यह दिन भारत के प्रथम प्रधानमंत्री और बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू का जन्मदिन है | उन्हीं के जन्मदिवस को बाल-दिवस के रूप में मनाया जाता है | नेहरू जि बच्चों को बहुत प्यार करते थे | वे अपने जन्मदिन का कुछ समय बच्चों के साथ अवश्य बिताते थे | वे बच्चों में घुल-मिलकर उनके साथ खेलते थे | बच्चों को कहानियां और चुटकुले सुनाते थे | बच्चों से चुटकुले सुनते भी थे | इस दिन वे भूल जाते थे कि वे भारत के प्रधानमंत्री हैं | उन्होंने अपना जन्मदिन बच्चों को समर्पित कर रखा था | बच्चे उन्हें प्यार से चाचा-नेहरू कहते थे |

अब भी बाल-दिवस पूरे देश में बड़े उत्साह से मनाया जाता है | बच्चों की तरह-तरह की खेल-कूद की प्रतियोगिताएँ होती हैं | मेले लगते हैं | इन मेलों में बच्चों के मनोरंजन के तरह-तरह के साधन होते हैं | बच्चों की बनाई हुई चीज़ों की प्रदर्शन लगाईं जाती है | सबसे अच्छी चीज़ को तथा अन्य सुन्दर चीजों को इनाम दिया जाता है |

दिल्ली में बाल-दिवस पर नेशनल स्टेडियम के पास बाल-मेला लगता है | यह मेला कई दिनों तक चलता है | इस मेले का सारा प्रबंधबच्चों द्वारा ही किया जाता है | आंबेडकर स्टेडयम में भी नगर-निगम द्वारा बाल-मेला लगाया जाता है | इसमें बच्चों के रंगारंग कार्यक्रम, व्यायाम, चित्रकला आदि की प्रतियोगिता होती है | यह मेला विभिन्न कार्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को परस्कार देने के बाद समाप्त हो जाता है |

1- Metindeki cümlelerin yapısı incelenerek, çevirisi yapılacaktır.